

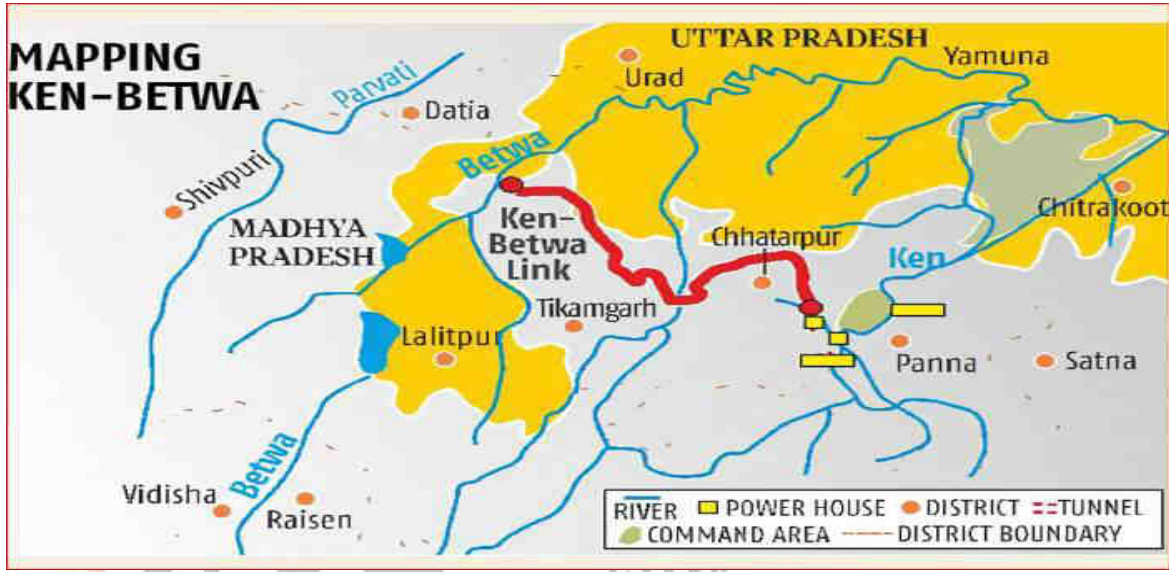
केन-बेतवा नदी लिंक परियोजना

प्रासंगिकता: जीएस-3: विभिन्न प्रकार की सिंचाई और सिंचाई प्रणाली; संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट, पर्यावरणीय प्रभाव आकलन; प्रमुख फसलें - देश के विभिन्न भागों में फसल पैटर्न।

की वर्डस: केन-बेतवा लिंक परियोजना (केबीएलपी), बुंदेलखंड क्षेत्र, राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण, चंदेल-काल की झीलें, पन्ना टाइगर लैंडस्केप।

संदर्भ:

- हाल ही में, केन-बेतवा लिंक परियोजना (केबीएलपी) की संचालन समिति ने नई दिल्ली में अपनी तीसरी बैठक आयोजित की।



नदियों को आपस में जोड़ने की पृष्ठभूमि:

- 2002 में, भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति अब्दुल कलाम ने एक भाषण के दौरान नदियों को जोड़ने वाली परियोजना का उल्लेख किया था।
- उन्होंने इसे भारत के जल संकट के समाधान के रूप में प्रस्तावित किया जिसके बाद उस मामले पर सर्वोच्च न्यायालय से एक आदेश का अनुरोध करने वाला एक आवेदन प्रस्तुत किया गया।
- आवेदन को एक रिट याचिका में बदल दिया गया और आखिरकार, अक्टूबर 2002 में, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को देश की प्रमुख नदियों को आपस में जोड़ने का काम शुरू करने का आदेश दिया।

केन-बेतवा लिंक क्या है?

- दिसंबर 2021 में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कुल 44,605 करोड़ रुपये की लागत से केबीएलपी को मंजूरी दी।
- इस परियोजना में, राष्ट्रीय और मध्य प्रदेश सरकार केन नदी को बेतवा नदी से जोड़ेगी ताकि बाद में उत्तर प्रदेश में बुंदेलखंड क्षेत्र को सींचा जा सके।
- लिंक एक नहर के रूप में होगा जो पन्ना टाइगर रिजर्व के भीतर बनने वाले केन पर बने नए दौधन बांध से पोषित होगी।
- जोड़ने वाली नहर छतरपुर, टीकमगढ़ और झांसी जिलों से होकर गुजरेगी, इस परियोजना से हर साल 6.3 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होने की उम्मीद है।

राष्ट्रीय नदी लिंक परियोजना:

- राष्ट्रीय नदी लिंक परियोजना (NRLP) को औपचारिक रूप से राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना के रूप में जाना जाता है, जिसमें अंतर बेसिन जल अंतरण परियोजनाओं के माध्यम से पानी के 'अधिशेष' बेसिनों से पानी के हस्तांतरण की परिकल्पना की जाती है, जहां पानी की कमी वाले बेसिनों में पानी की कमी होती है।
- 'अधिशेष' शब्द का अर्थ है कि नदी में सिंचाई, घरेलू खपत और उद्योगों की मानवीय आवश्यकता को पूरा करने के बाद यह नदी में उपलब्ध अतिरिक्त पानी है, जिससे नदी के लिए पानी की आवश्यकता को कम करके आंका जाता है।
- 'डेफिसिट' शब्द को केवल मनुष्यों के संदर्भ में देखा गया है न कि नदी के दृष्टिकोण से, जिसमें कई अन्य कारक शामिल हैं।
- विशाल दक्षिण एशियाई जल ग्रिड बनाने के लिए लगभग 3000 भंडारण बांधों के नेटवर्क के माध्यम से देश भर में 37 नदियों को जोड़ने के लिए राष्ट्रीय नदी जोड़ने वाली परियोजना में 30 लिंक शामिल होंगे।
- इसमें दो घटक शामिल हैं:
 - **हिमालयी नदी विकास घटक:**
 - इसके तहत 14 लिंक की पहचान की गई है।
 - इस घटक का उद्देश्य भारत और नेपाल में गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों के साथ-साथ उनकी सहायक नदियों पर भंडारण जलाशयों का निर्माण करना है।
 - इसका उद्देश्य बाढ़ नियंत्रण के साथ-साथ सिंचाई और जल विद्युत उत्पादन के लिए मानसून के प्रवाह को संरक्षित करना है।
 - लिकेज कोसी, गंडक और घाघरा के अतिरिक्त प्रवाह को पश्चिम में स्थानांतरित करेगा।
 - हरियाणा, राजस्थान और गुजरात के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में अधिशेष जल को स्थानांतरित करने के लिए गंगा और यमुना के बीच एक लिंक का भी प्रस्ताव है।
 - **प्रायद्वीपीय नदी विकास घटक या दक्षिणी जल ग्रिड:**
 - इसमें 16 लिंक शामिल हैं जो दक्षिण भारत की नदियों को जोड़ने का प्रस्ताव करते हैं।
 - इसमें कृष्णा, पेन्नार, कावेरी और वैगई नदियों को खिलाने के लिए महानदी और गोदावरी को जोड़ने की परिकल्पना की गई है।

इस परियोजना के लाभ:

- इस परियोजना से बुंदेलखंड के पानी की कमी वाले क्षेत्र को अत्यधिक लाभ होगा।
- क्षेत्र के 62 लाख लोगों की पेयजल जरूरतों को पूरा करें।
- इस परियोजना के लिए एक जलविद्युत घटक भी है जो 103 मेगावाट बिजली पैदा करेगा।
- 27 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र भी प्रस्तावित है।

प्रमुख चिंताएँ:

1. हाइड्रोलॉजिकल और इकोलॉजिकल विशेषज्ञों की चिंताएँ:

- हाइड्रोलॉजिकल और पारिस्थितिक विशेषज्ञ आश्वस्त नहीं हैं, मुख्यतः क्योंकि सरकार की योजना एक 'अधिशेष और घाटे' मॉडल पर आधारित है, जिसके बारे में उन्होंने कहा है कि इसका विज्ञान में बहुत कम आधार है।
- वे इस बात से भी चिंतित हैं कि परियोजना से पन्ना की जल सुरक्षा को खतरा होगा।

2. कानूनी समस्याएँ:

- वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 35(6) के प्रावधान के अनुसार केन-बेतवा लिंक परियोजना के लिए राष्ट्रीय वन्य जीव बोर्ड की स्थायी समिति का अनुमोदन उसमें वन्य जीवों के सुधार और बेहतर प्रबंधन के लिए आवश्यक साबित नहीं हुआ है।
- कथित तौर पर परियोजना को अभी भी पूर्ण वन मंजूरी प्राप्त होनी बाकी है।

- नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के समक्ष इसकी पर्यावरण स्वीकृति के लिए एक चुनौती भी लंबित है।

3. पन्ना टाइगर रिजर्व पर प्रभाव

- पन्ना अपनी गहरी घाटियों के कारण असाधारण बाघों का आवास है, जो नया बांध बनने पर डूब जाएगा।
- एक राष्ट्रीय बोर्ड द्वारा दी गई एक अवैध स्वीकृति अतीत के सभी अच्छी, कड़ी मेहनत को शून्य कर देगी।
- सरकार एक बड़ा 'पन्ना टाइगर लैंडस्केप' भी विकसित कर रही है, लेकिन कई लोगों का मानना है कि यह रियायत नहीं है।

4. केन में पर्याप्त पानी नहीं

- बेतवा की अनुमानित जरूरतों को पूरा करने के लिए गैर-बारहमासी नदी केन में पर्याप्त पानी भी नहीं हो सकता है - बुंदेलखंड क्षेत्र की जरूरतों को भूल जाइए।

आगे की राह:

- **स्वतंत्र हाइड्रोलॉजिकल जांच:** केन की एक "स्वतंत्र" हाइड्रोलॉजिकल जांच होनी चाहिए। राज्य की एजेंसियों की पुरानी रिपोर्टों ने अलग-अलग, और इसलिए अविश्वसनीय, अनुमान लगाए थे।
- **चंदेलकालीन झीलों का जीर्णोद्धार:** यह अधिक किफायती और तेज होगा यदि सरकारें बुंदेलखंड की तत्कालीन चंदेलकालीन झीलों और तालाबों का जीर्णोद्धार करें और यदि वे सफल खेत-तालाब योजनाओं को प्राथमिकता पर दोहराती हैं।
- यह क्षेत्र पहले से ही पर्याप्त वार्षिक वर्षा से संपन्न है।

निष्कर्ष:

- हालांकि यह नदी परियोजनाओं को और अधिक जोड़ने का मार्ग प्रशस्त करेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पानी की कमी देश के विकास में बाधक न बने।
- उन कई चिंताओं पर फिर से विचार करना और उनका समाधान करना आवश्यक है जो शायद व्यवहार्यता अध्ययनों में छूट गई हों।
- उच्च मूल्य वाली फ़सलों का चयन करना जो जल के उपयोग में वृद्धि की तुलना में फ़सल उत्पादन लाभों के शुद्ध मूल्य में वृद्धि कर सकते हैं।
- परियोजना से मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच जल विवाद और गहरा सकता है।
- आगामी 2023-2024 के केंद्रीय बजट से पहले, हम आशा करते हैं कि हम पाठ्यपुस्तक हानि-हानि परियोजना के बोझ तले दबे नहीं रहेंगे।

स्रोत: द इंडियन एक्सप्रेस

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न:

Q. केन-बेतवा नदी लिंक परियोजना के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. जोड़ने वाली नहर छतरपुर, टीकमगढ़ और झांसी जिलों से होकर गुजरेगी।
2. लिंक एक नहर के रूप में होगा जिसे बेतवा नदी पर बने नए दौधन बांध से पानी मिलेगा।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- जोड़ने वाली नहर छतरपुर, टीकमगढ़ और झांसी जिलों से होकर गुजरेगी। कथन 1 सही है।
- लिंक एक नहर के रूप में होगा जिसे केन पर बने नए दौधन बांध से पानी मिलेगा। अतः कथन 2 सही नहीं है।

मुख्य प्रश्न:

प्र. केन-बेतवा लिंक क्या है? परियोजना से संबंधित चिंताओं पर संक्षेप में चर्चा कीजिए। (250 शब्द)